Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

HALF-YEARLY EXAMINATION 2023-2024

CLASS: X

SUBJECT: HINDI

NAME OF STUDENT: ..... MAX. MARKS:80

DATE: ..... TIME: 3 HOURS

Note: You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the tme allowed for writing the answer.

This paper comprises of two Sections-Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from Section 'A'. Attempt any four questions from Section 'B'. Answering at least one question each from the two parts of the book Gadya and Kavya you have studied and any two other questions.

Section 'A' (40 Marks)

(Attempt all questions)

प्रश्न-1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए- (15)

(i) बचपन को जीवन का स्वर्ण-काल कहा जाता है। ये भी कहा जाता है कि एक बच्चे और वृद्ध में कोई अंतर नहीं होता। आप इस बात से कहाँ तक सहमत हैं ? अपना विचार प्रकट करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(ii) हिन्दी हमारी जान और शान है और आपका विद्यालय अंग्रेजी माध्यम है। एक प्रस्ताव लिखकर सिद्ध कीजिए कि आपके विद्यालय में अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी भाषा पर भी ज़ोर दिया जाता है।

(iii) जीवन में सादगी और उच्च विचार किस प्रकार जीवन को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाते हैं इसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(iv) नौकरियों में आरक्षण से उत्पन्न होने वाली समस्या तथा इसके समाधान के उपायों का उल्लेख करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(v) 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे'- उक्ति पर आधारित एक मौलिक कहानी लिखिए।

प्रश्न - 2 निम्नलिखित विषयों में से एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए- (7)

(i) छात्राओं को एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में 'मान प्रदान समारोह(Investiture)' की बहुत बड़ी भूमिका होती है। अपने मित्र के पास पत्र लिखकर बताइए कि आपके विद्यालय में 'मान प्रदान समारोह' किस तरह मनाया जाता है तथा प्रधानाध्यापिका जी का ओजपूर्ण भाषण सुनकर आपके अंदर किस प्रकार एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

(ii) परीक्षाओं के दौरान लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध लगाने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखिए।

प्रश्न- 3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

मैना राजकुमारी थी। वह बिठूर के राजा नाना साहब की राज पुत्री थी। उसने स्वतंत्रता संग्राम में अपने साहस का जो परिचय दिया था, वह इतिहास बन गया।

जब सन् 1857 ई. का गदर हुआ और अंग्रेज़ भारत में बुरी तरह छा गए, तो वे कानपुर और बिठूर पर भी चढ आए। उन्होंने तोपों के ज़ोर से विद्रोहियों का दमन कर दिया।

नाना साहब कानपुर से ही नहीं भागे, वे बिठूर से भी चले गए। जाते समय वे अपना सारा खज़ाना कुएँ में डाल गए।यह भेद केवल राजकुमारी मैना को मालूम था। मगर उसने यह भेद अंग्रेज़ों को नहीं बताया और अपनी जान दे दी।

मैना बारह साल की थी। उसकी पहली नारी नीति यह थी कि अपना भेद दुश्मन को कभी नहीं देना चाहिए। मैना की दूसरी नारी नीति यह थी कि हँसते-हँसते स्वयं देश पर बलि हो जाओ। अंग्रेज़ों ने मैना से बहुत पूछा कि उसके पिता नाना साहब कहाँ गए हैं ? मगर मैना ने कुछ भी नहीं बताया। वह मौन ही रही।

जब अंग्रेज़ों को कुछ हासिल नहीं हुआ, तो उन्होंने उसे एक तख्ते पर बाँध दिया और आग लगा दी। मैना ने फिर भी नहीं बताया कि नाना साहब कहाँ गए हैं और अपना खज़ाना कहाँ छिपाकर गए हैं।

पहले अग्रेज़ों ने मैना को धमकाने के लिए आग लगाई थी, फिर वे उसे जलाने लगे, मैना ने उफ़ तक नहीं की। बिठूर की यह राजकुमारी जल गई, पर उसने अंग्रेज़ों को अपना कोई भेद नहीं बताया। उसकी नारी नीति यही थी कि दुश्मन के हाथों मौत को प्राप्त हो जाओ, लेकिन उसे अपना भेद नहीं बताओ। जो दुश्मन को अपना भेद देता है, वही देश का सबसे बड़ा गद्दार कहलाता है। देश पर हँसते-हँसते बलिदान हो जाओ यही सच्चा प्रेम है, जो सच्चे देशभक्त होते हैं, वे ही देश के लिए मरते-जीते हैं।

मैना को शिक्षा मिली थी कि तुम्हारा देश परतंत्र है। वह गुलाम है। उसे गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराओ। भारत से अंग्रेज़ों को भगाओ। यद्यपि उसकी अवस्था अभी छोटी थी, लेकिन फिर भी उसने अपनी महान नारी नीति से काम लिया। जब नाना साहब बिठूर छोड़कर जाने लगे, तो वह उनके साथ नहीं गई। उसका कहना था कि मैं अपनी जन्मभूमि में रहूँगी और अंग्रेज़ों से लड़ूँगी।

(i) अंग्रेज़ों द्वारा हमला करने पर नाना साहब ने क्या किया ? (2)

(ii) मैना की नारी नीतियाँ क्या थीं ? (2)

(iii) सबसे बड़ा गद्दार कौन होता है ? (2)

(iv) मैना के अनुसार सच्चे देशभक्त कौन होते हैं ? (2)

(v) बचपन से ही मैना को क्या शिक्षा मिली थी ? (2)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: (8)

(i) 'उष्ट्र' का तद्भव शब्द बताइए:

(a) उठना (b) ऊँट

(c) ऊँटनी (d) उठो

(ii) 'अपमान' शब्द का उपसर्ग बताइए:

(a) मान (b) मन

(c) अप (d) आप

(iii) 'भयानक' का भाववाचक संज्ञा बताइए:

(a) डरावना (b) डर

(c) भय (d) भयावह

(iv) 'चाँदनी' का पर्यायवाची शब्द बताइए:

(a) ज्योत्स्ना (b) रश्मि

(c) किरण (d) कर

(v) 'पुराण' का विशेषण बताइए:

(a) सांप्रदायिक (b) पौराणिक

(c) साहित्यिक (d) पारलौकिक

(vi) 'कवीत्री' का शुद्ध रूप बताइए:

(a) कवित्री (b) कवयीत्री

(c) कवयित्री (d) कवयत्री

(vii) 'गर्दन उठाना' मुहावरे का अर्थ बताइए:

(a) कोरी धमकी (b) कष्ट उठाना

(c) विरोध करना (d) हार मानना

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

उसका प्रयास <u>प्रशंसा के योग्य</u> है। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) प्रशंसनीय (b) उल्लेखनीय

(c) कथनीय (d)अनुकरणीय

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Section 'B' (40 Marks)

(Attempt any four questions)

साहित्य सागर (गद्य-भाग)

प्रश्न 5 शेख साहब न्यायप्रिय आदमी थे। उन्होंने रसीला को छह महीने की सज़ा सुना दी और रुमाल से मुँह पोंछा। यह वही रुमाल था जिसमें एक दिन पहले किसी ने हज़ार रुपए बाँधकर दिए थे।

बात अठन्नी की

लेखक- सुदर्शन

(i) शेख साहब का परिचय दीजिए। 'न्यायप्रिय' शब्द में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) रसीला कौन था ? उसे दंडित क्यों किया गया ? संक्षेप में लिखिए। (2)

(iii) लेखक ने इस समय रूमाल के प्रसंग का उल्लेख क्यों किया है ? स्पष्ट लिखिए. (3)

(iv) शेख साहब समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं ? देश की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में इस कहानी की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (3)

प्रश्न 6 मैं जब से संसार को जानने लगा, तभी से मैं गृहहीन था।मेरा संदूक और ये थोड़ा-सा सामान, जो मेरे उत्तराधिकार का अंश था, अपनी पीठ पर लादे घूमता हूँ।

संदेह

लेखक-जयशंकर प्रसाद

(i) वक्ता कौन है और किस से वार्तालाप कर रहा है ? वह श्रोता से क्यों प्रभावित है ? (2)

(ii) इस व्यक्ति ने अपनी पूर्व नौकरी के विषय में क्या जानकारी दी? (2)

(iii) वक्ता कहाँ-कहाँ भटकता रहा और क्यों ? उसके अनुसार अधिक चतुर बनने पर मनुष्य को क्या दुष्परिणाम सहन करना पड़ता है ? (3)

(iv) मृग-मरीचिका किसे कहते हैं ? कहानी में किस संदर्भ में मृग- मरीचिका शब्द का प्रयोग किया गया है ? (3)

प्रश्न 7 घर पहुँचा तो छोटे से मकान में सामान की ठूसमठास और बच्चों की भीड़ देखकर मेरा दम घुटने लगा। मैंने श्यामलाबाबू से पूछा- "क्या तुम्हारे पास यही दो कमरे हैं ? वे बोले क्या करूँ मित्र ! दो वर्ष पहले इस शहर में आया था। तभी से मकान की तलाश में भटक रहा हूँ।"

भीड़ में खोया आदमी

लेखक-लीलाधर शर्मा पर्वतीय

(i) कौन किसके घर पहुँचा था और उसका दम क्यों घुटने लगा ? (2)

(ii) लेखक ने अपने मित्र से क्या पूछा और उसने क्या उत्तर दिया ? (2)

(iii) लेखक ने इस पाठ में मुख्यत: किस बात पर ज़ोर दिया है ? मकान न मिलने का मुख्य कारण क्या बताया गया है ? (3)

(iv) आबादी के बढ़ने से देश पर क्या प्रभाव पड़ता है ? समझाकर लिखिए। (3)

साहित्य सागर (पद्य-भाग)

प्रश्न 8. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

राजा के दरबार में, जैये समया पाय!

साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय।।

जहँ कोउ देय-उठाय, बोल अनबोले रहिए।

हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए।।

कह 'गिरिधर कविराय' समय सों कीजै काजा।

अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा।।

कुंडलियाँ

कवि- गिरिधर कविराय

(i) राज-सभा में व्यक्ति को कब जाना चाहिए और कहाँ आसन ग्रहण करना चाहिए ? क्यों ? (2)

(ii) इस कुंडली में कवि ने मनुष्यों को राज-सभा में किस प्रकार का व्यवहार करने के लिए कहा है ? (2)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(iii) 'अधिक आतुरता' व्यक्ति के लिए हानिकारक सिद्ध क्यों हो सकती है ? (3)

(iv) इस कुंडली के आधार पर आप औपचारिक आयोजनों में किस प्रकार का आचरण करेंगे ? समझाकर लिखिए। (3)

प्रश्न 9. जाके प्रिय न राम वैदेही।

तजिए ताहि कोटि वैरी सम जद्पि परम सनेही।।

तज्यो पिता प्रह्लाद, त्रिभीषण बन्धु,भरत महतारी।

बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज बनितन्हिं, भए-मुद मंगलकारी।।

नाते नेह राम के मनियत,सुहुद सुसेव्य जहाँ लौं।

अंजन कहा आँख जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहाँ लौं।।

तुलसी सो सब भाँति परमहित,पूज्य प्रान ते प्यारो।

जासों होय सनेह राम- पद, एतो मतो हमारो।।

विनय के पद

कवि- तुलसीदास

(i) तुलसीदास किन्हें तथा क्यों त्यागने को कह रहे हैं ? (2)

(ii) उपर्युक्त पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि किस-किसने अपने किस-किस प्रियजन को क्यों छोड़ दिया ? (2)

(iii) 'अंजन कहा आँख जेहि फूटै '-पंक्ति द्वारा तुलसीदास क्या सिद्ध करना चाहते हैं ? (3)

(iv) बलि के गुरु कौन थे? बलि ने अपने गुरु का परित्याग कब तथा क्यों कर दिया? (3)

प्रश्न 10 चाट रहे झूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,

और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा।

अभिमन्यु-जैसे हो सकोगे तुम,

तुम्हारे दुख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(i) भिक्षुक तथा उसके बच्चे क्या करने के लिए विवश हैं और क्यों ? (2)

(ii) 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए'- पंक्ति द्वारा कवि क्या भाव स्पष्ट करना चाहता है ? (2)

(iii) भिक्षुक कविता में कवि ने समाज को किस बात के लिए फटकारा है ? (3)

(iv) भिक्षुक अभिमन्यु के समान कब हो सकते हैं ? विस्तार से लिखिए। (3)

END

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE